हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2014

(दिनांक 28 अगस्त से 11 सितंबर 2014)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार)

आंचलिक कार्यालय, भोपाल

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2014 : एक प्रतिवेदन

हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर, सन् 1949 को स्वीकार किया गया। इसके बाद संविधान में राजभाषा के सम्बन्ध में धारा 343 से 352 तक की व्यवस्था की गयी। इसकी स्मृति को ताजा रखने के लिये 14 सितम्बर का दिन प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त अंको का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप (अर्थात 1, 2, 3 आदि) होगा।

राजभाषा नियमो के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास व संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए आंचलिक कार्यालय, भोपाल में भी इस दिवस को मनाने की गौरवशाली परंपरा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से किया जाता रहा है। हिंदी भारत की ही नहीं, पूरे विश्व में एक विशाल क्षेत्र की भाषा है। यह विशाल क्षेत्र अधिकतर मध्यम वर्ग को अपने में समेटे है। भारतीयों ने अपनी कडी मेहनत, प्रतिभा और कुशाग्र बुद्धि से आज विश्व के तमाम देशों की उन्नति में जो सहायता की है, उससे प्रभावित होकर वे समझ गए हैं कि भारतीयों से अच्छे संबंध बनाने के लिए हिंदी सीखना कितना जरूरी है। आज हिंदी ने कंप्यूटर के क्षेत्र में अंग्रेजी के वर्चस्व को चुनौती दी है तथा करोड़ों आबादी कंप्यूटर का प्रयोग हिन्दी में कर रही हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का भोपाल आंचलिक कार्यालय राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में आने वाले

राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र मे ही है। अतः यह कार्यालय का हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 धारा 10(4) के अंतर्गत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है।

कार्यालय द्वारा अनिवार्य रूप से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छः माही बैठकों में भाग लिया जाता रहा है तथा कार्यालय द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष मे 4 संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है तथा सभी बैठके राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की उपस्थिति में ही सम्पन्न कराई जाती है ।

आंचलिक कार्यालय, भोपाल राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता हैं तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है विगत वर्ष में आंचलिक कार्यालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://cpcb.nic.in/otheruseful_information_bhopal.php) पर भी अपलोड किया गया है जहाँ से हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार वैश्विक स्तर पर हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित है:-

- विश्व पर्यावरण दिवस 2014
- जल-मल उपचार संयंत्र इंदौर 2014
- जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन - संगोष्ठी 2014

- संयुक्त दूषित जल उपचार संयंत्र, पाली 2014
- तनाव प्रबंधन - योग शिविर
- संयुक्त दूषित जल उपचार संयंत्र, गोविंदपुरा 2014

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम में उल्लेखित १४ दस्तावेजों को हिन्दी में जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं ।

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारो के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र मे प्रभावी योगदान है। इसके मद्देनजर कार्यालय द्वारा **'पर्याभाष'** नामक ई-पत्रिका का संपादन १४ सितंबर २०१२ से प्रारंभ किया गया था। तथा पत्रिका के माध्यम से अनेकों लोग लाभान्वित हो रहे है, तथा विचारों का संप्रेषण बिना कागज़ के प्रसारित हो रहा है । इस पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है ।

राजभाषा के अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार आंचलिक कार्यालय में वर्ष भर ही हिन्दी में कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस 2014 के अवसर पर विशेष कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत दिनांक 28 अगस्त से 11 सितंबर 2014 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

01.अन्तर कार्यालयीन राजभाषा प्रतियोगिता (28.08.2014 से प्रारंभ) :-

आंचलिक अधिकारी द्वारा कार्यक्रम पूर्व समीक्षा बैठक में राजभाषा के प्रचार के लिए सामान्य प्रयासों से हटकर भी प्रयास करने पर ज़ोर दिया था तथा कहा तथा की 'नए प्रयोग करने चाहिए और कल्पनाओं की डोर में कार्यान्यवन का आकाशदीप उड़ते रहना चाहिए'।

उपरोक्त का अनुसरण करते हुए व राजभाषा को व्यापक व रुचिकर बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा अन्य आंचलिक कार्यालयों से जो कि मुख्यत: 'ख' व 'ग' क्षेत्रों से सबंधित है, से भी समन्वयन किया तथा सभी कार्यालयों के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । उपरोक्त प्रतिभागियों को 'हिन्दी कथा' में लेखन मे टंकण की गलतियाँ व हिन्दी मे प्रचलित अंग्रेजी शब्द को ढूढ़ना था । प्रायोगिक तौर पर की गई इस प्रतियोगिता के परिणाम बहुत उत्साहजनक रहें तथा इसमें मुख्यालय सहित सभी आंचलिक कार्यालयों ने भाग लिया। इसमें हर्ष की बात यह रही कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के राजभाषा 'ग' क्षेत्र के कार्यालय 'कोलकाता' व 'बैंगलोर' ने न सिर्फ प्रतिभागिता मे भाग लिया बल्कि अधिकतम अंक भी अर्जित किए । आंचलिक कार्यालय, 'लखनऊ' व 'बैंगलोर' ने इस प्रतियोगिता को आंतरिक रूप से भी आयोजित करने हेतु परिपत्र जारी किया जो उनके राजभाषा के प्रति समर्पण को दर्शाता है तथा महात्मा गांधीजी के वचन 'हिन्दी ही

एकमात्र भाषा है जो पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है ' को चरितार्थ किया ।

02. यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 02.09.2014)

राजभाषा कार्यान्यवन में नवीनतम साधन 'यूनिकोड' टंकण सोफ्टवेर है। यूनिकोड 'सूचना प्रौद्योगिकी' का एक ऐसा साधन है जिसका प्रयोग राजभाषा को प्रभावशाली ढंग से जनसमान्य तक संप्रेषित करने मे किया जा रहा है। इस सोफ्टवेर से कर्मचारी ही नहीं वरन राजभाषा अधिकारियों को भी सूचना प्रौद्योगिकी के अपने ज्ञान को एक नयी पहचान और नया आयाम देने का प्रयास किया जा रहा है । अब तो राजभाषा की प्रत्येक प्रस्तुति में प्रौद्योगिकी का उपयोग किए जाने का वक़्त है। कागज और चार्ट से पावर प्वाइंट कहीं अधिक आकर्षक, स्पष्ट और प्रभावशाली है। इस 'यूनिकोड' को भी कार्यालयों ने पूरी तरह लागू किया है ।

कार्यालय मे हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यो में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सोफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग प्राथमिक स्तर पर भी किया जाने लगा है। यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो समान्यत: कम्प्यूटरों का उपयोग नहीं करते है जैसे कि चालक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'हिन्दी की स्थिति' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता मे प्रथम

स्थान श्री सुनील कुमार मीणा, द्वितीय स्थान श्री प्रहलाद बघेल, तृतीय स्थान श्रीमती पौलमी पाटिल तथा चतुर्थ स्थान श्रीमती फरजाना खान को प्राप्त हुआ अन्य प्रतिभागियों को भी विशेष प्रयास हेतु आंचलिक अधिकारी ने प्रोत्साहित किया।

03. हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (दिनांक 02.09.2014)

आंचलिक कार्यालय में विभिन्न राजभाषा क्षेत्र के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों मे राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें दो-दो व्यक्तियों के समूह में इसका आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कार्यालय में उपयोग होने वाले दैनिक शब्दो, सामान्य हिन्दी व्याकरण, अंग्रेजी शब्दों का रूपांतरण व राजभाषा के नियमों से सम्बंधित प्रश्नों का संकलन किया गया था।

उपरोक्त प्रतियोगिता में कुल 08 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा प्रथम स्थान श्री अनिल कुमार के दल, द्वितीय स्थान डॉ.पौलमी पाटिल के दल, तृतीय स्थान सलामुद्दीन के दल तथा चतुर्थ स्थान श्री मिलिंद कुमार के दल ने प्राप्त किया गया ।

04 . हिन्दी 'पर्यावरणीय प्रश्नोत्तरी' प्रतियोगिता (दिनांक 04.09.2014)

कार्यक्रम का शुभारंभ आंचलिक अधिकारी की गरिमामय उपस्थिति में किया गया, इस प्रतियोगिता मे पर्यावरण से सम्बन्धी विभिन्न प्रश्नो का संकलन किया गया था। जो कार्यालय के ही दैनिक कार्यकलापों से

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित थे। प्रतियोगिता हेतु चार दल बनाये गये थे जिसमे तकनीकी व वैज्ञानिक, प्रशासन व लेखा प्रभाग के सदस्यो को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के सभी सदस्यो को सहभागी बनाना था जिसमे विशेष रूप से 'ख' व 'ग' क्षेत्र के अधिकारियों/ कर्मचारियो है। इस प्रतियोगिता में प्रबोधन व प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी तथा वर्ष भर आयोजित किये जाने वाले पर्यावरणीय दिवसों के बारे में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में प्रशासन व लेखा से संबंधित कर्मचारियों ने भी अत्यधिक उत्साह दिखाया जो उनके राजभाषा के प्रति लगाव व तकनीकी विषयो में भी सहभागिता को दर्शाता है।

इस प्रतियोगिता में कुल 17 प्रतिभागियों ने चार दल बनाकर भाग लिया तथा प्रथम स्थान श्री सलामुद्दीन के दल, द्वितीय स्थान श्री मिलिंद कुमार के दल, तृतीय स्थान डॉ.पौलमी पाटिल के दल तथा चतुर्थ स्थान श्री अनिल कुमार के दल ने प्राप्त किया ।

05. 'हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (दिनांक 09.09.2014)

प्रतियोगिता के चतुर्थ चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, हिन्दी वर्ग पहेली, राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न तथा गणितीय अंको का हिन्दी में लेखन आदि के संबंध में प्रश्न पूछे गये।

प्रतियोगिता में कार्यालय के 16 आधिकारियों /कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय मे टिप्पण, राजभाषा के

नियमों का ज्ञान तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 नंबर के प्रश्नपत्र में सभी ने 65 अंक प्राप्त किए जो की कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों का सुखद परिणाम है । प्रतियोगिता हेतु चार दल बनाये गये थे जिसमे प्रशासन,लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यो को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया के दल, द्वितीय स्थान श्री सलामुद्दीन के दल, तृतीय स्थान श्री मिलिंद निमजे के दल तथा चतुर्थ स्थान श्री अनिल कुमार के दल ने प्राप्त किया । गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष प्रश्न पत्र कठिन बनाया गया था जिसे सभी ने अत्याधिक उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ती के बाद आपस में में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया ।

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेख करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमे संयुक्त रूप से प्रथम विजेता डॉ॰ योगेंद्र सक्सेना व श्रीमती फ़रजाना खान, द्वितीय संयुक्त विजेता श्री शिव शंकर शुक्ला व श्री राजीव शर्मा तथा तीसरे संयुक्त विजेता श्री प्रवीण जैन व श्रीमती रश्मि ठाकुर रहे।

कार्यालय में राजभाषा के सतत विकास, तकनीकी प्रतिवेदन हिन्दी में बनाने व कार्यालय की विविध गतिविधियों के प्रतिवेदन भी हिन्दी में तैयार करने में सक्रिय महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु डॉ. अनूप चतुर्वेदी को विशिष्ठ राजभाषा कर्मी पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिन्दी में ही सर्वाधिक डिक्टेशन देने हेतु आंचलिक अधिकारी श्री आर.एस.कोरी ('क'क्षेत्र) को भी पुरस्कृत किया गया।

06. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (11.09.2014)

आंचलिक कार्यालय द्वारा वर्ष 2014 के हिन्दी पखवाड़े में आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरीश सिंह चौहान, अनुसंधान अधिकारी राजभाषा विभाग थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ हुआ तथा कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील कुमार मीणा, वैज्ञानिक 'ग' (हिन्दी अधिकारी) द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ मे श्री सुनील कुमार मीणा ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया व राजभाषा सम्बन्धी उपलब्धियों से मुख्य अतिथि व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा में स्वयं काम करने तथा दूसरो को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर उन्होने जर्मन वैज्ञानिक डॉ.ओलिवर हेगविग द्वारा संस्कृत व हिन्दी के शब्दों को ढूंढने के सोफ्टवेर ओ.सी.आर.(ऑप्टिकल क्रेरकटर रिकोगनाइजेशन) विकसित करने के संबंध में जानकारी प्रदान की, जिसका उदेश्य यह बताना था कि किस तरह भारत के बाहर भी हिन्दी के तकनीकी विकास हेतु प्रयास किये जा रहे है। कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा राजभाषा नियमों के परिपालन के संबंध में संकल्प दिलवाया जिसके प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार है:-

- मैं संवैधानिक प्रावधान के अनुच्छेद 343 के तहत घोषित संघ की राजभाषा 'हिन्दी' का सम्मान करूँगा।

- मैं राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा संकल्प 1968 तथा राजभाषा नियम 1976 के तहत दिये गए निर्देशों का सदैव पालन करूँगा ।
- मैं राजभाषा हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का जवाब हिन्दी में ही दूँगा तथा 'क' व 'ख' क्षेत्रों से अँग्रेजी में प्राप्त पत्रों का जवाब भी हिन्दी में ही देने का प्रयास करूँगा ।
- मैं अपना अधिकतर कार्यालयीन लिखित कामकाज हिन्दी में ही करने का प्रयास करूँगा ।
- मैं राजभाषा के उत्तरोत्तर विकास एवं प्रचार-प्रसार में सदैव प्रयासरत रहूँगा
- मैं अपने सहभागियों को राजभाषा में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित व सहयोग प्रदान करता रहूँगा ।

कार्यक्रम के अगले चरण में कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई-पत्रिका 'पर्याभाष' का विमोचन टेबलेट के माध्यम से आंचलिक अधिकारी व मुख्य अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, चूंकि 'पर्याभाष' एक ई-पत्रिका है अत: इसका विमोचन भी ई-माध्यम से ही किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर आंचलिक अधिकारी द्वारा अपने संक्षिप्त उद्बोधन में राजभाषा विकास की महती आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा हिन्दी को आत्म मन से स्वीकार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न रोचक कार्यक्रम किए गये।

सांस्कृतिक संध्या में सर्वप्रथम श्री संजय कुमार मुकाती द्वारा राजभाषा विषय पर स्वलिखित कविता 'हिन्दी हमारी राजभाषा' का पठन किया गया साथ ही पर्यावरण व दैनिक नैतिक जीवन में प्रेरणा प्रदान करने वाले सु-विचार सुनाये। इसके बाद श्री प्रवीण जैन ने 'हिन्दी दिवस कि सुबह' विषय पर व्यंगात्मक कविता सुनाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। कविताओं के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, डॉ.योगेंद्र कुमार सक्सेना द्वारा स्वरचित कविता

'प्रकृति की रक्षा' जो कि पर्यावरण संरक्षण के तात्कालिक विषयों पर आधारित थी का पठन किया जिसे श्रोताओं तथा मंचासीन अतिथियों द्वारा सराहा गया ।

कविताओं के दौर को हास्य की तरफ मोड़ते हुए डॉ. अनूप

चतुर्वेदी द्वारा 'रिपोर्टिंग ऑफिसर' विषय पर हास्य कविता सुनाई गई। जिसका सभी श्रोतागणों द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गया तथा आंचलिक अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस श्रंखला को जारी रखते हुए श्री राजीव शर्मा द्वारा 'बीवी की नौकरी' विषय पर दैनिक जीवन की ऊहापोह सम्बन्धी कविता सुनाई गई ।

इसके बाद कार्यालय के 'ग' क्षेत्र की श्रीमती पौलमी पाटिल द्वारा आशा भौसले की गज़ल 'खाली हाथ शाम आई' की प्रस्तुति दी गई जिसने ढलती सांझ को सुहावना कर दिया । इसी क्रम को आगे बढाते हुए श्री अनिल कुमार द्वारा 'कुत्ते चले फिल्म की ओर' विषय पर व्यंग्य प्रस्तुत किया गया। इन्ही प्रस्तुति के अगले चरण मे डॉ.आर.पी.मिश्रा द्वारा हास्य चुटकुले 'लल्लन के गुरुजी' की प्रस्तुति दी गई ।

हिन्दी अधिकारी के विशेष अनुरोध पर आंचलिक अधिकारी द्वारा गुलाम अली की गज़ल 'दिल में एक लहर सी उठी है अभी' सुनाई गई ।

कार्यक्रम की समापन बेला मे मंच पर मुख्य अतिथि श्री हरीश सिंह

चौहान को आमंत्रित किया गया, उन्होनें अपने उद्बोधन में कार्यालय के राजभाषा सम्बन्धी प्रयासों की प्रंशंसा की तथा कार्यालय से उनके आत्मीय लगाव के बारे में अपने विचार प्रकट किये । राजभाषा कार्यान्यवन में उन्होने आंचलिक

अधिकारी द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा कहा की वे राजभाषा के क्षेत्र में ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति है जो मनोयोग से राजभाषा कार्यान्यवन करते हैं और उसमें मौलिकता का पुट डालते हुये राजभाषा कार्यान्यवन को हमेशा आकर्षक और तरोताजा बनाए रखते हैं, तथा अर्जुन और एकलव्य की दूरियाँ घटाते हुए उन्मुक्त और पूर्वाग्रह रहित भाव से मिल-जुलकर राजभाषा कार्यान्यवन की आंचलिक कार्यालय, भोपाल में गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने 'क्या तेरे दर पर यू ही अंधेरा होगा पर रात के बाद सवेरा भी होगा, आज समय है प्यार से बातें कर ले कल वक़्त न तेरा होगा न मेरा होगा' शायरी सुनाकर कार्यक्रम का माहौल और खुशनुमा कर दिया।

कार्यक्रम के अंत मे हिन्दी अधिकारी द्वारा कार्यालय में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के समापन अवसर पर आंचलिक अधिकारी द्वारा सभी उपस्थित अतिथि व अधिकारियों/कर्मचारियों तथा कार्यक्रम के संचालन में सम्मिलित सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को सफल आयोजन पर बधाई दी व आभार व्यक्त किया गया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की ।

हिन्दी दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा जम्मू व कश्मीर में बाढ़ की विभीषिका को ध्यान मे रखते हुये सहयोग का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के अवसर पर हिन्दी अधिकारी द्वारा यह प्रस्ताव दिया गया कि क्यों न हम पुरस्कार स्वरूप जीती नकद राशि को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय

सहायता कोष' के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ प्रदान करें'। उक्त प्रस्ताव को मुख्य अतिथि सहित सभी ने एकमत होते हुये स्वीकार किया तथा इस पुनीत कार्यों हेतु कुल राशि 11,000/- का योगदान किया तथा 'वसुधेव कुटुंबकम' कि अवधारणा को चरितार्थ किया। उपरोक्त राशि दिनांक 12.09.2014 को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष' के अधिकृत खाते मे जमा भी कराया जा चुका है।

'हिन्दी दिवस' आयोजन पर सभी उपस्थितों ने राजभाषा के अधिकाधिक उपयोग करते हुए इसके नियमों का अनुपालन अन्तर्मन से करने का संकल्प लिया, इस प्रकार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,आंचलिक कार्यालय, भोपाल के समस्त अधिकारी/ कर्मचारी राजभाषा के शत प्रतिशत उपयोग हेतु प्रतिबद्ध है।

(डॉ अनूप चतुर्वेदी)
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक

(सुनील कुमार मीणा)
वैज्ञानिक 'ग'

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आँचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बो
आँचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण
आँचलिक कार्यालय (मध्य) भोपा

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
ऑंचलिक कार्यालय (मध्य) भोपाल